

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

रेशम विकास विभाग,

प्रेमनगर, देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 12 फरवरी, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 के प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-5183/रेशम/तक0अनु0/बजट/2008-09, दिनांक-15/01/2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत विभागीय आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत वेतन मद में प्राविधानित धनराशि रु0-8500000/- (रुपये पिचासी लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन/आवंटन में रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

2- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

4- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

5- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0 एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6- उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि विभाग के नियंत्रणाधीन सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

7- छटे वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर पुनरीक्षित वेतनमान की स्वीकृति एवं जी0पी0एफ0 में धनराशि जमा करने के सम्बन्ध में शासन द्वारा दिये गये आदेशों/निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत विभागीय आय-व्ययक अनुदान संख्या-29 के लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनेत्तर 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास-0701-अधिष्ठान के उप मानक मद 01-वेतन के नामे ढाला जायेगा।

- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-238 (NP)/XXVII-4/2009, दिनांक-04 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या- / / /XVI(1)/09/7(53)/08, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरस माटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(विनोद फोनिया)
सचिव।